



39



Lab No 0400 062542

6030-00

6151000

रिजिस्ट्रार

रिजिस्ट्रार

अंश

चैनाचा वादाटी - 83,30,000/- स्वधा ।

सरकारी भाणियत - 33,00,000/- स्वधा ।

स्वाम्य तादाटी - 8,30,000/- स्वधा ।

गर्जिल रेट - 30,00,000/- स्वधा प्रति हेक्टियर ।

विपरण विजो ० आराखी - आराखी पाके भौजा वरौली अलीह तहसील व

तैजराभे दि. नराव राय

मरायत दि.





Advocate
Civil Court,
AGRA

0400 062543

121

जिला आगरा काता नंबर 400 खसरा नंबर 1046 रकबाई 1.175 हेक्टेयर
अगानी 27/- खसरा 25 पैसे लाग कुल प खाता नंबर 299 खसरा
नंबर 1045 रकबाई 3.009 हेक्टेयर अगानी 83/- लाग 80 पैसे
लाग में से 1/4 भाग कुल रकबाई 1.927 हेक्टेयर जो नृषिधोय भूमि
है जिसे आसपास 200 मीटर की परिधि में खेती हो रही है जिसमें
अपारण शिव २०३७

राज

महाराष्ट्र





04DD 062544

131

कोई पेड़ एवम् नदी आवादी नहीं है तथा पिछेता व ग्रेता अनुश्रुति
जाति के सदस्य नहीं है जो आगरा से निकाल जगह ली और है ।

पिछेता - गंगाराम व शिवराम व राधेयाम गुरुगण रामचरण
निवासी ग्राम बरीली जहीर तहसील व जिला आगरा ।

05/08/2006 दिनांक

रा. 2/8/06



रा. 2/8/06





04DD 062545

14

जेल - के.पी. पिंडवेल प्रां 100 कर्मचारी आगरा द्वारा अधिभूत
प्रतिनिधि यशवीर सिंह पुत्र श्री महावीर सिंह निवासी गणेशनगर

भाग 1

कर्मचारी - दि. 25.5.20

25/5/20





04DD 062546

151

हमकि:-

गणेशराय ध धिदशर व राधेश्याम गुशरण रामवरन
निधासी ग्राम बरौली जलीर तालुका व जिला भागरा

के हैं।

गणेशराय धिदशर राधेश्याम

गणेशराय





161

जो कि आराजी दाकै मौजा बरौली जहीर तहसील व
 जिहा हागरा खाता नंबर 480 छारा नंबर 1046 रकबाई
 1.175 हेक्टेयर लकानो 27/- स्पुधा 25 पैते साबके हम मुकिराम
 अंगराठ दिवरेम



मध्य



0400 062548

11

जहाँ भूमि मालिक का मिल काचिल व दखील है व खाभा
नंबर 299 खसरा नंबर 1045 रकबाई 3.009 हेक्टेयर लगानी
83/- खया 80 जैसे साल में से 1/4 भाग को हमारे पिता
अगराज शिखर २०००

24/10/2000





04DD 062549

/ 8 /

स्व० रामचरण पुत्र लेखराज ने कजरिए दैनागा नविस्ता
राजवीर सिंह पुत्र स्व० श्री तालेवर निवासी बरौली अहीर
आगरा जुरिक्का 13/10/83 व सुसदिक्का 2/2/84 जिला

अपराध शिवराज राय राय 10/11/83





04DD 062550

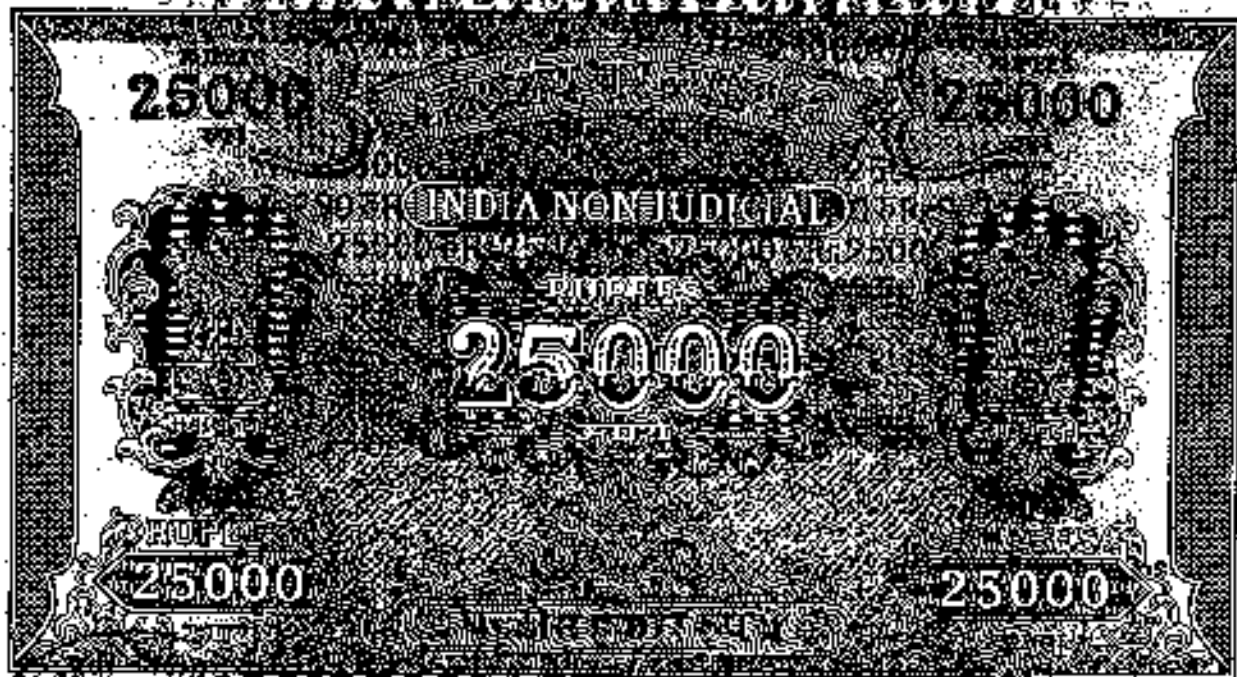
191

रजिस्टरी नहीं नोट । जिल्द 2901 के लम्बा 167/169 में
नंबर 5600 परदर्जरजिस्टर श्रीमान सन राजिस्टर सादर आगया
हुई है लम्बा खरीद की है । इस तरह पर हम मुकियान -

अंगारक शिब २१३४

२१३४

रजिस्टर २१३४



0400 062351

/10/

अपने पिता रामचरण उक्त की मृत्यु के पश्चात उपरोक्त
आराजीयात के तनहा मालिक का मल्ल का विलेन थे दखील
हैं। और हमको उसकी वावदा पूर्ण हक मालिकाना मिले

मोहराज शिवराम

मोहराज शिवराम





04DD 062553

/12/

द्वितीयकालात् दौश का छीति और उपरोक्त आराजीयात
मज्जर आगतक हरप्रकार के करये य फार व इतिहासात ध
बुगजा देवदासियों द बिम्बोदासियों घोरसते कतई तीर

मोहाराज शिव-श-अ

महाराज





64DD 062554

/13/

पर पाक व साफ है जिसका कोई इकरारनामा किसी
के हक में नहीं किया गया है तथा उक्त आराजीधारा

नजुल व राजकीय आरुथान की सम्पत्ति नहीं है अगर

अधिकार शिखर उम

अधिकार शिखर उम

2123

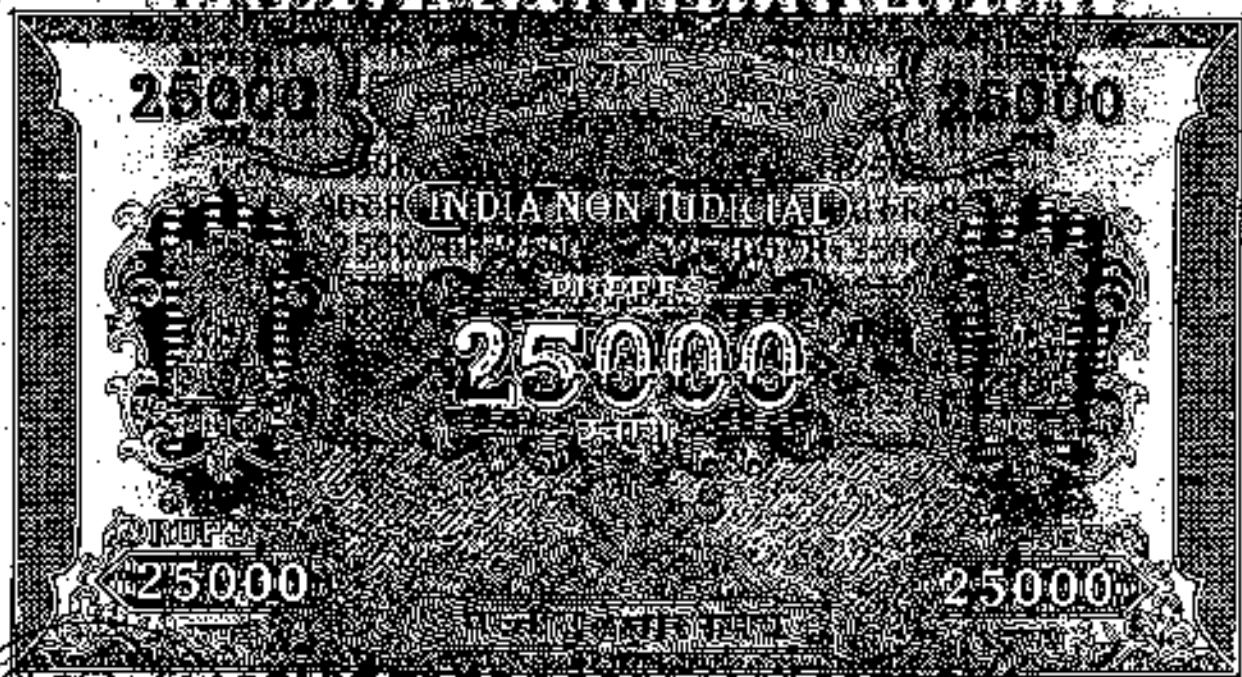


0400 062555

/14/

बाद तकमील दैनागाडाजा हसकि खिफाफ कोई अमु अहि
 या शाफिा हो तो ऐसी नुमलापुरतो मैं हम राकिमान नुमला
 अकारफि— शि.तरा.र. र.रा.र.र.र.





0400 062556

/15/

नताइज कानूनी के निम्नोदर होगे अब हमनी रक्त

जाराजीयात मजबुतवाला का देना चाहते करत

मजबुत - दिनांक 20/08/03

मजबुत

मजबुत



0400 062557

/16/

खुद व मिलने मांगल कीला पकत गैरुदा है मंभर

पै।

श्रीगारा

शिवराज

म. २१/१०/७२

२१/१०



0400 062558

/17/

मिहाना हम नुकरान नै उपरोक्त जाराजीयात

मजबूतवालाजी अपनी राखी प खुशी के बिनापडकाये

शुभक दिवस

मजबूतवालाजी





04DD 062559

/18/

सिद्धार्थ पिलादत्तय किर्ती नारायण के धिलः खाते

पौर किर्ती मादक पदार्थ के अथ जुम्मा तक ठक ठक दाखिली

के.एल. - शि.नरसिम्ह

महेश्वरी



8400 062560

/19/

द खारिजी के विल खवच मुमलिन 03,00,000/- शिराकी

लाख रुपया कि आथे जिरीके मुदलिन 41,50,000/- इकतालीस

शिराकी दिनांक

२०२१



२०२१



04DB 062561

/201/

नाख बचारा हजार रुपया होते हैं चट्टन के.पी. विन्डो
 970 वि० कमलानगर आगरा द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि -

अमर सिंह ल० २१३४



२१३४



04DD 062562

/21/

बहादुर सिंह पुत्र श्री बहादुर सिंह निवासी गणेश

नगर आगराको वैध काह्न की और वेव दी उपरोक्त कोम्प

मोहर

दि. २२/८/०५

बहादुर सिंह



21/8



0400 062563

1221

का कुल लाया है मैंने खरीदार से हस्त लिखी ल
जैल वसूल माना तय करार दिया है और उक्त

अमर सिंह कौर

अमर सिंह



अथ



0400 062564

/23/

स्थिति प्राप्त होने के बाद हमारा खरीदार

से, बीमा में कुछ पाना या केना गैर नहीं रहा,

गुणवत्ता

शिवराज

21/12/2023



21/12/2023



0400 062565

/24/

म भविष्य में होगा लिहाजा उज्जा न दक्ष

परफुल जाली आराजीयात मलकुद पर आज थी

अमरक शिवशक्त



21/5



04DD 052566

/25/

तहरीफ ते खरीदार का करा दिया और खरीदार

को आराजीयात मजूर का तनहा सालिख का भिन्न

आदि

शिवराज

राजेश्वरी



राज



04DD 062567

1261

काचिन व तथील बना दिया अब खरीदार को -

अधिकार है कि वह आराजीवात मजदूर से घट्टलियत

अभिलेख शिवराज

महाराज



04DD 062568

1277

मार्गिक चाहे जैते लाभान्वित ओये हूँ अहत्पारात

निस्वत आराजीयात मजकूर तमहा खरीदार को हफ

अम्बाला

शिवराम बाराही



21/2



04DD 062569

/28/

मानिकवाहाभिन है और आर्धदा रहेगे बरीदार अपने

नाम का दाखिल खारिन कागजात सरकारी है जरिर

मोहर

शिवराज

मराठे



राज



04CD 062570

1291

वैनाबाबाधर के दर्ज करातेवे हममें हमको व पारिसान हमारी
को कुछ उध्र नहीं होगा ।

शिवशामर

मरायसिद्धि





04DD 062571

1301

अगर तानी उलझल कोई मारित या लादेदार कोमी

या जानदानी या नीज दीगर विली एतहवा विषयलादार

शुभम् दि. १२/१२/५४

२५२१/१५४

२५५



0400 062572

131/

आराजी मजकूर में पैदा होकर दावा व इगडा खरीदार से
करें या उलकी चक्रे या गैली टीयर चक्रे से आराजी मजकूर

अपराध

शिवराज

अपराध



213-1



0400 062573

1321

का रूप व कुछ अङ्का न दखल करीदार में निखल

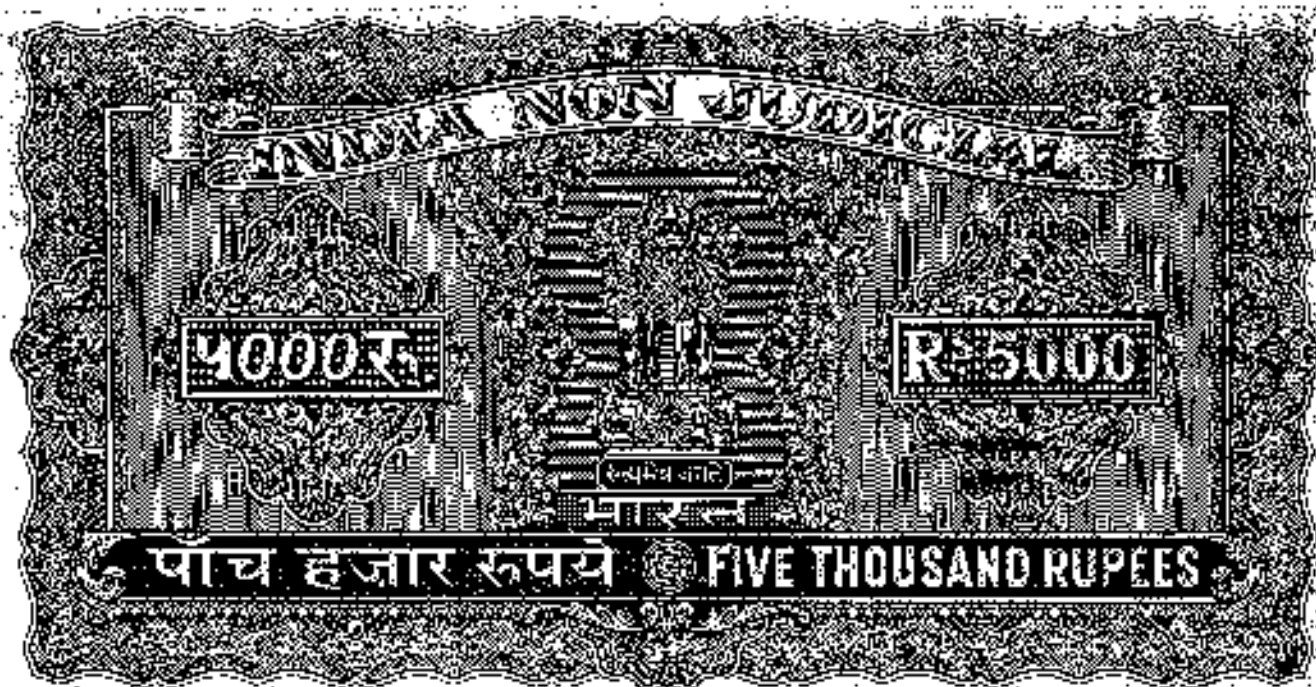
जावें तने ऐसी सुझासुरतों में उस लल की जवाब

श्री वरदाम

महाराष्ट्र



2132



1531

देवी व विस्मदारी न अदायगी परेसक भवकुर मधुद

हरजा व हरजा व लागत के जिम्मे जातखाल न जायदाद

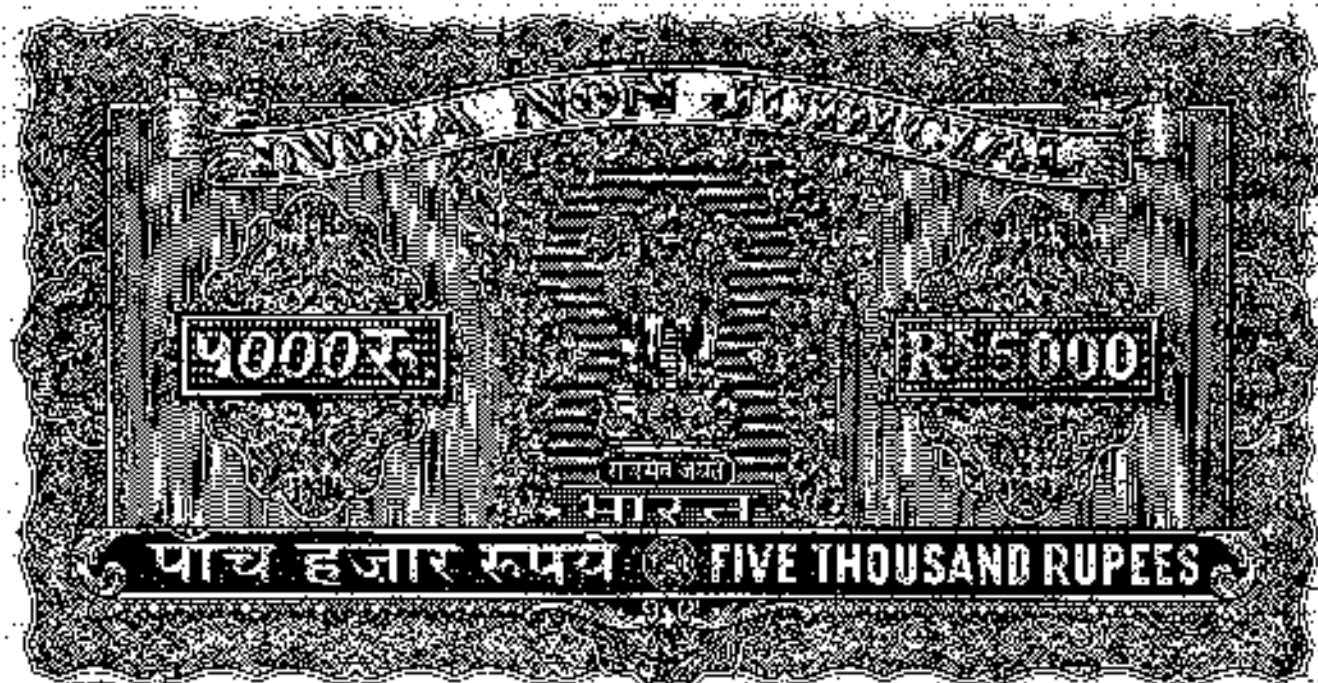
श्रीमद

शिवराज

21/2/22



21/2/22

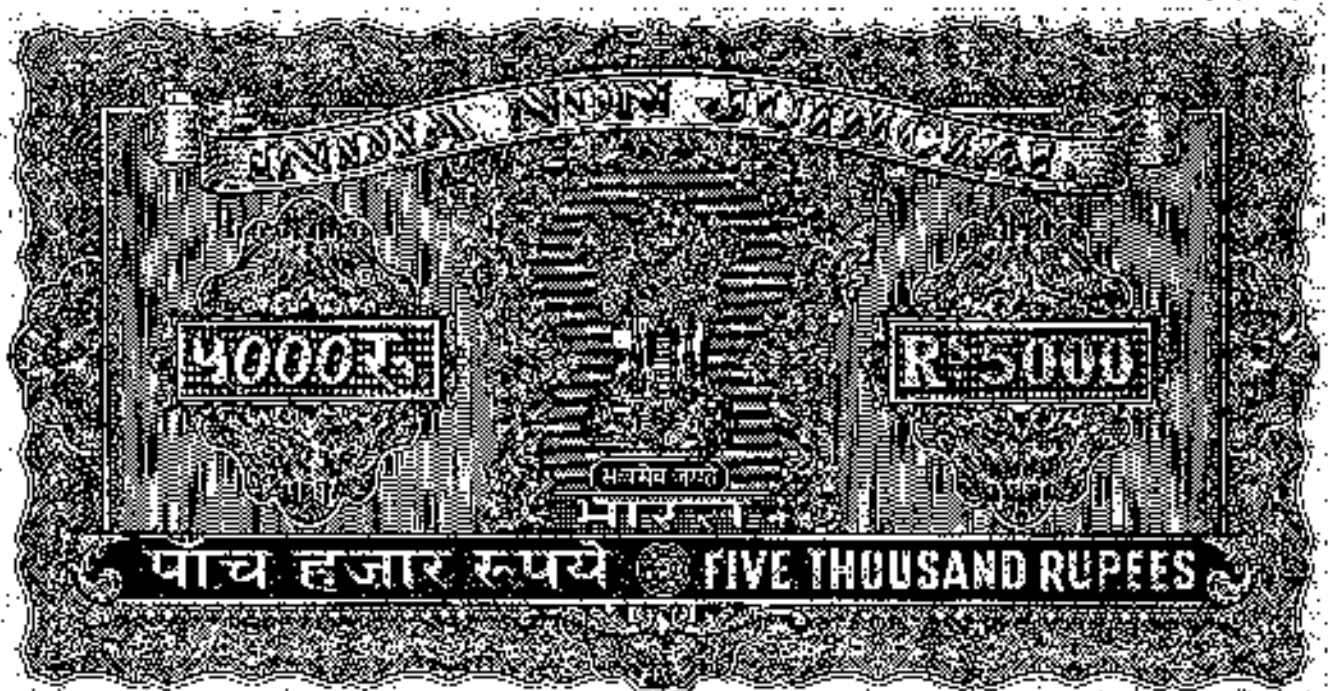


/34/

भनकूला व गैर अनकूला हर बिस्म हसवायान व वारिलान घ
कसयम भूकामान के है और होगा खरीदार अपना लुन ल्यथा

शेखर
शिवराम

Four fingerprints are visible, arranged in a cluster. They appear to be ink smudges or prints on a light background.



/35/

1273

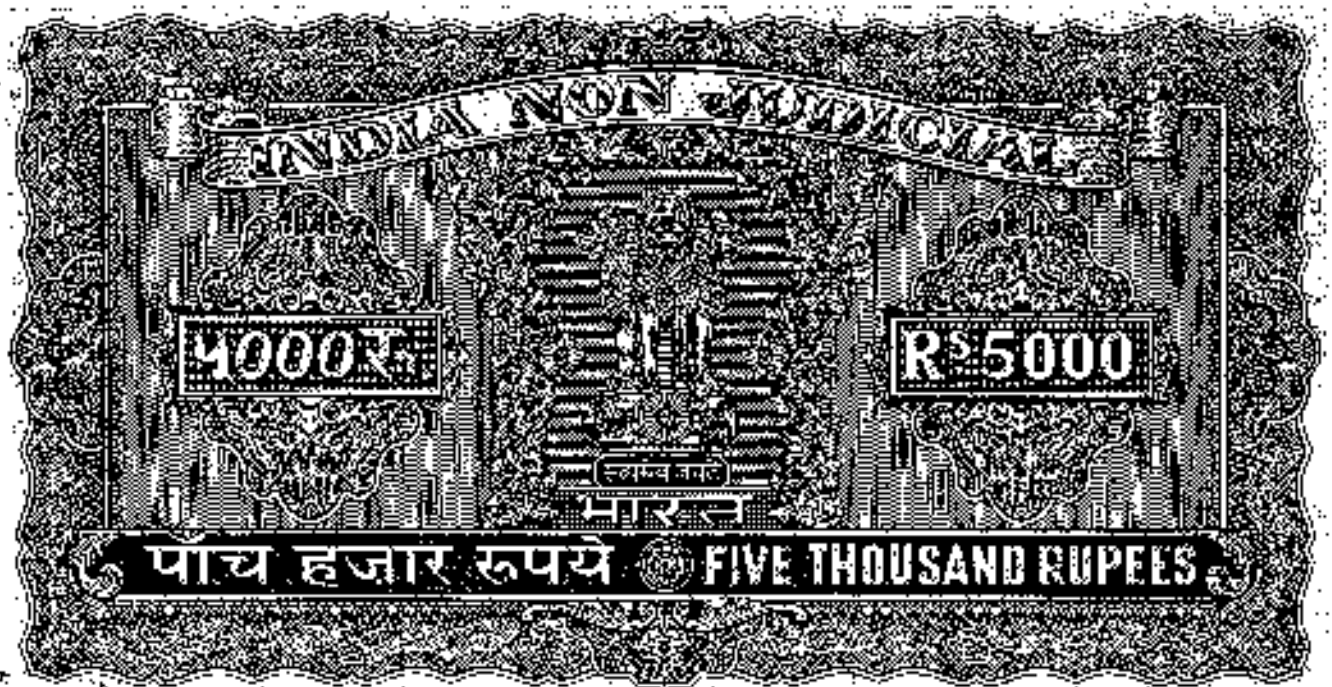
जरिफ अदालत वसूल कर लैवे इतमें हमको व वातिसान हमारी
का कुछ उग्र नहीं होना ।

ओम्कार शिवरात्रि

महाराष्ट्र



21/7/22



1361

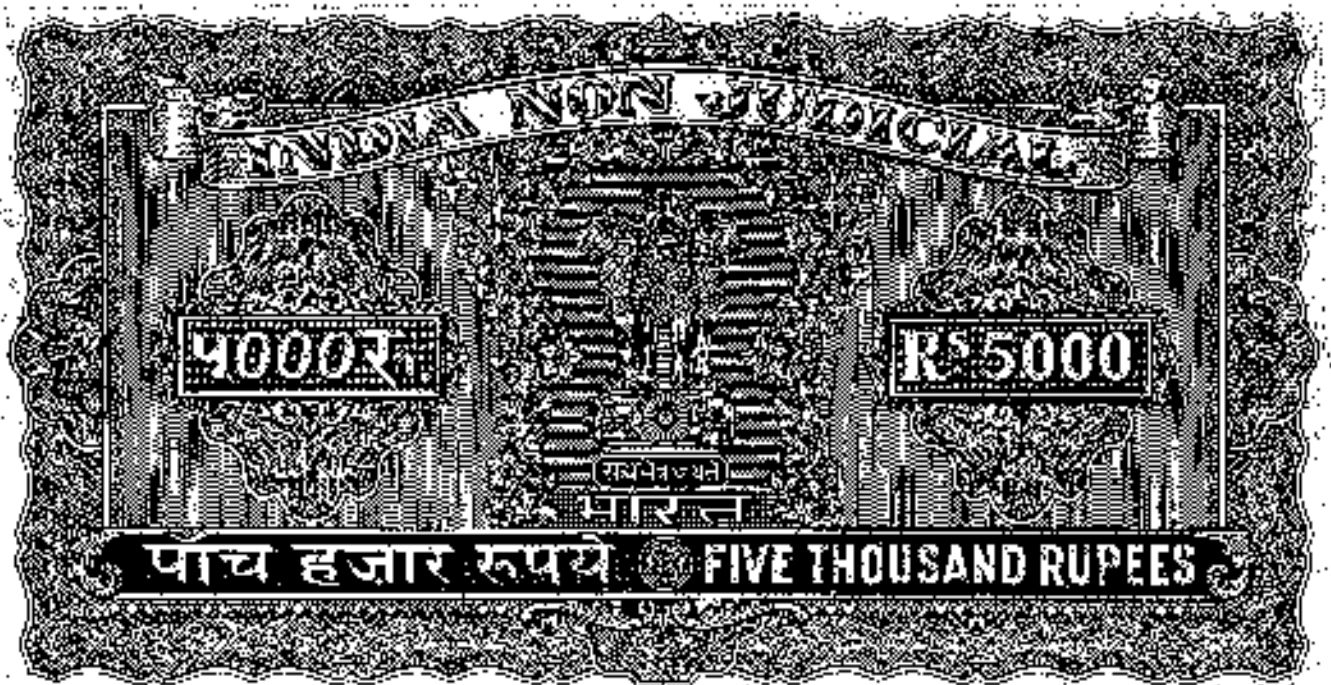
उपरोक्त ग्राहक ने आराजी की सर्किल रेट 30,00,000/- रुपये प्रति हेक्टेयर है जो कृषिधीय भूमि है जिसपर निपमानुसार स्वाम्य अदा किया गया है तथा स्वाम्य अधिनियम की धारा 27(1) का अर्थान्वयी किया गया है न कोई तथ्य सिद्ध किया गया है।

अतिरिक्त

दिलकराम

22/11/02

21/11/02



38/

नोट- परत 4 की स्तर रज में व परत 20 की स्तर रज के शब्द विशिष्टता
गंदा टाईप है जो स्विकार है।

निहाजायत वनामा लिख दिया कि मन्दराहे औरसम्पन्न लाभ जाये
तद्वरीर तारीख 9/3/2005 ई० व भतीदा दिनेश कुमार लंसल वसीलानधीस
तद्वरीर रंदर आगरा व टाऊन वार्ड सुरेश कुमार तद्वरीर पदिसर आगरा व
इकरार भुजिरान के तद्वरीर दिया गया ।

सौभाग्य स्तुत नमः-विजय सुन्दर मूर्ति

ਲਾਇਸੈਂਸ ਨੰ. ੮੦ / ੧੯

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पिबंसा सुदमं ५७३

विशेषक के हस्ताक्षर

यह दस्तावेज विदेशों व देशों के लोगों
 आसानी से निर्देशों को अनुसरण कर सक-
 स है। अगर उपरोक्त दिष्टि गये स्थलों में कोन-
 से स्थान उपलब्ध पाया जाता है तो उसको
 पाठ्यक्रम के दिष्टि को भी वह निर्देशित होवे।
 विद्यार्थी यह भी जान फलाना-ना में अपने
 स्वतंत्रता अधिकार दिष्टि है।

10/11/20 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

$\frac{d}{dt} \left(\frac{1}{\sqrt{1-v^2/c^2}} \right) = \frac{v}{c^2} \frac{dv}{dt}$

② $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$ 確率

संख्या - १८०१ मे मसुदा प्रस्तुत (१८)

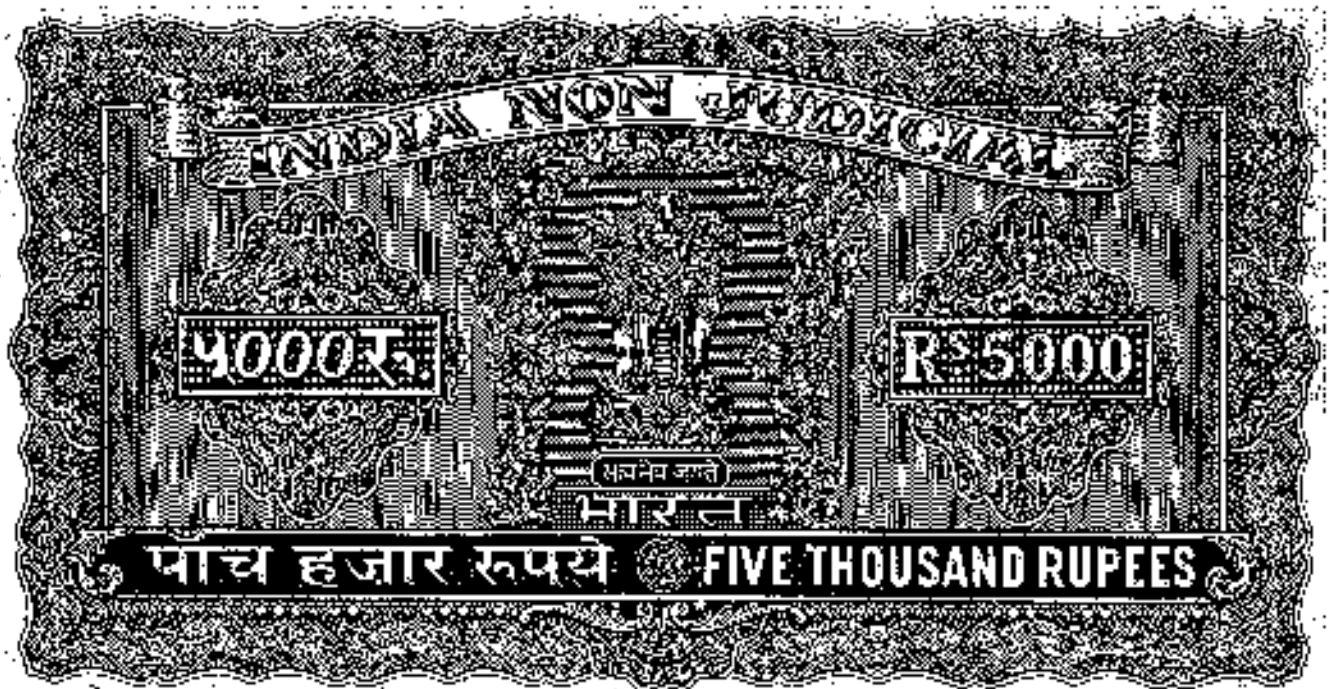
A hand-drawn diagram of a rectangular plot, possibly a field or garden, enclosed within a larger circular boundary. The diagram includes several handwritten labels and measurements:

- Top Label:** "104 0 60"
- Right Label:** "200 0"
- Bottom Label:** "114 0 0"
- Left Label:** "104 0 60"
- Internal Labels:** "104 0 60" and "114 0 0" are written inside the rectangle, with arrows pointing to specific points.

The diagram is drawn on a grid of dots, and the lines are hand-drawn. The circular boundary is also hand-drawn, passing through the corners of the rectangle.

12143121

10-2-2010



/37/

तकनीक वसुलवाची जरेतयस हसप्रकार है :-

मुकम्मिल 15,51,000/- स्वया पजरिर उ किता चैक यके नंबररी 590426 व दोयमी नंबररी 590425 व सोयमी नंबररी 590427 दिनांक 15/11/2005 सिडीकेट बैक कम्प्लानगर आगरा के वसुल पाना तय करार पाया है व 24,48,000/- स्वया पजरिर उ किता चैक यके नंबररी 590428 व दोयमी नंबररी 590429 व सोयमी नंबररी 590430 दिनांक 9/11/2005 के जो सिडीकेट बैक कम्प्लानगर आगरा के वसुल पाना तय करार पाया है । शेष 43,01,000/- स्वया नकद धर पर वसुल फालिर हैं भी जान कुल मुकम्मिल 83,00,000/- स्वया ।

मोदिफिक

श्री ज. र. म.

स्वयं पत्र - 507

21/11/05